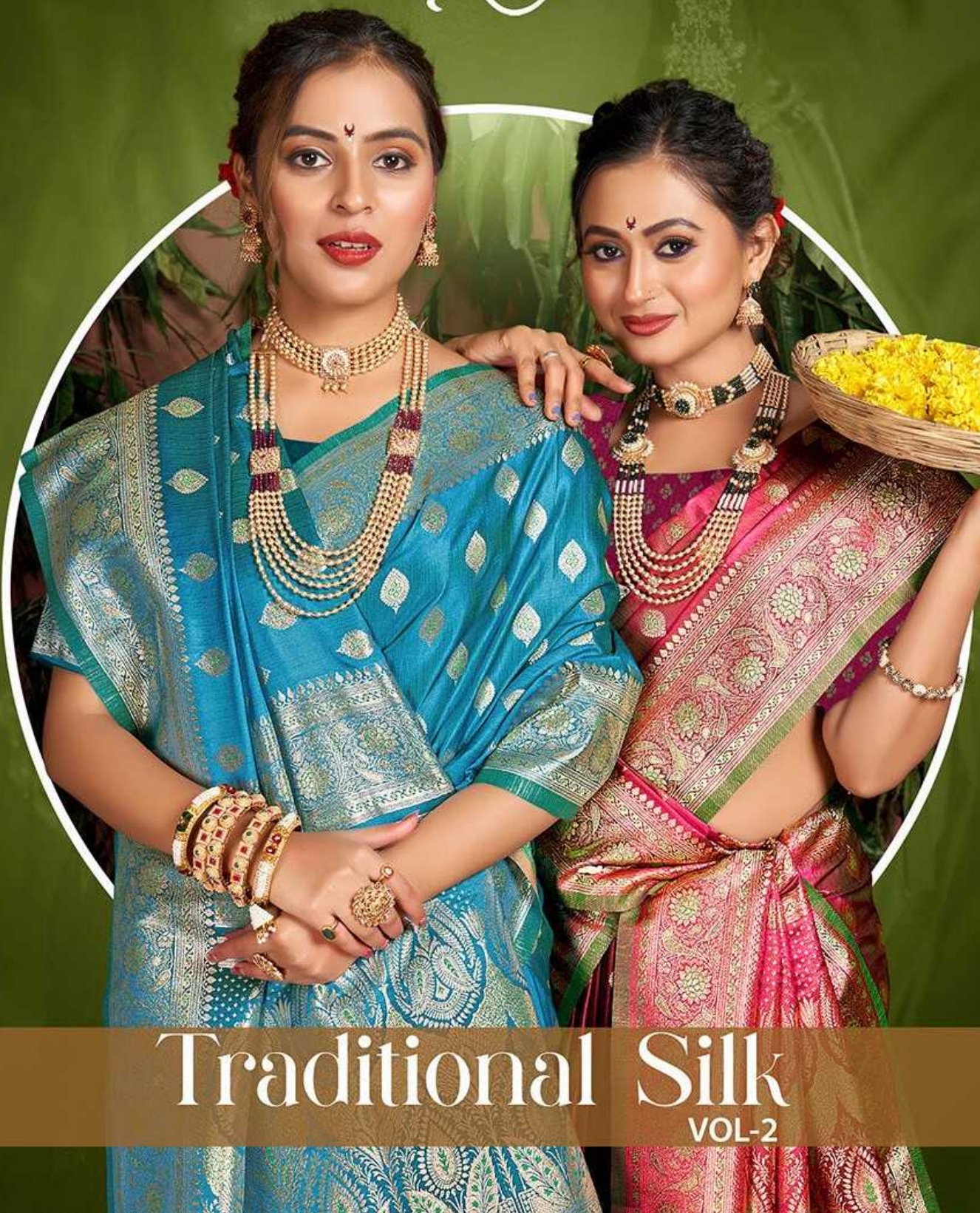
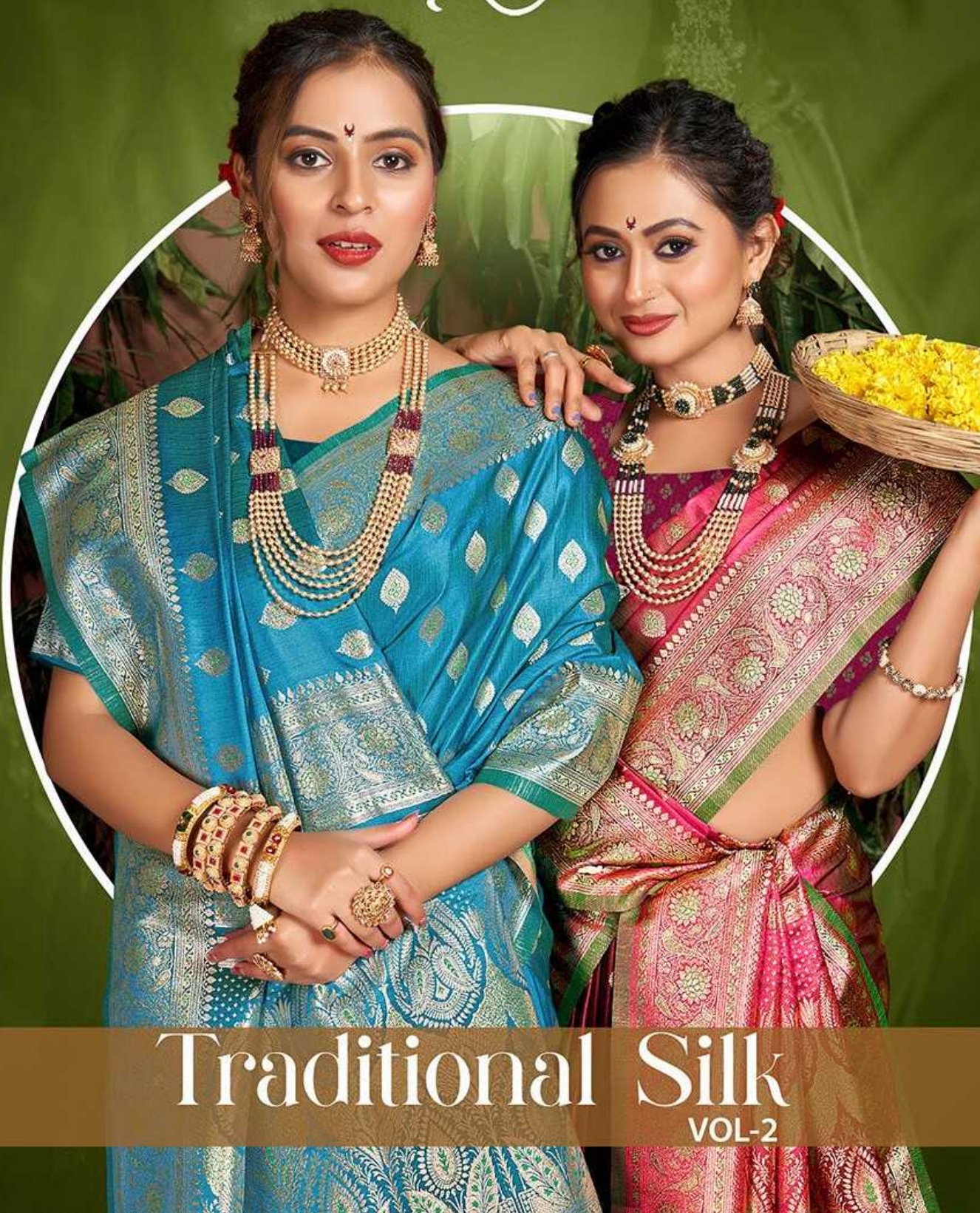


Sāroj



Traditional Silk
VOL-2

Sāroj



Traditional Silk
VOL-2



1001

1002

1003

1004

1005

सत्य -सत्यमेवैश्वरो लोके सत्यमेवै-सदाशिवतः ।
सत्यमुलनि सर्वाणि सत्यास्तित्ति परं पदम् ॥
तुम सति पालन ज्ञेय संहार की शक्ति भूला
सनातनी देवी, गुणों का आधार तथा सर्वगुणमयी हो ।
नारायणि! तुम्हें नमस्कार है ।



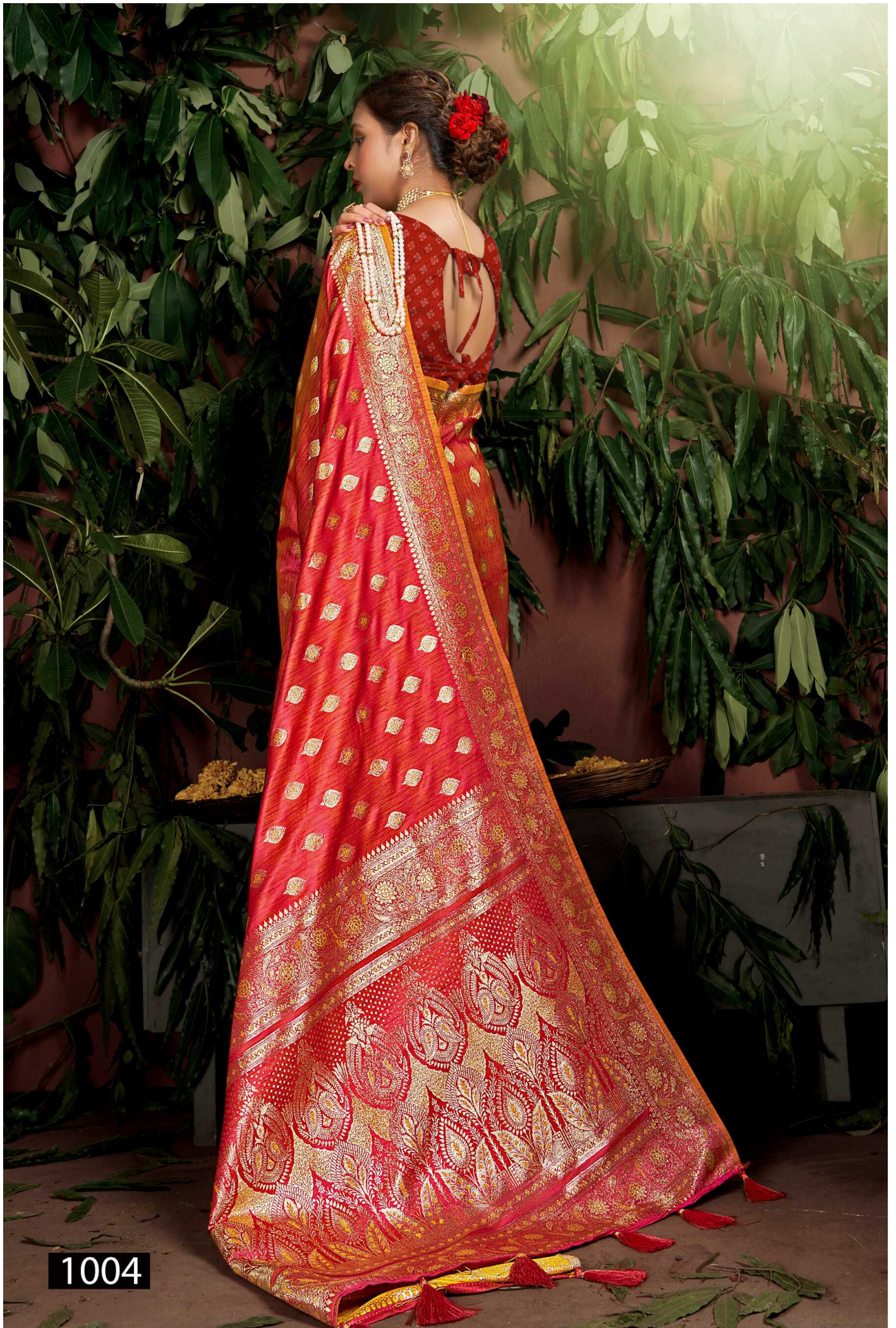
1001



1002



1003





1005